बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

06 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 40
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लगता है मां गंगा ने मुझे गोद लिया है: मोदी

मोदी ने दिया 'घाम तापो' पर्यटन का मंत्र

●शीतकालीन यात्रा से बदलेगी दिशा व दशा
●सरकार को दिए बारहमासी पर्यटन के फार्मूले

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। शीतकालीन चारधाम यात्रा के प्रमोशन के उद्देश्य से सीएम पुष्कर सिंह धामी के आग्रह पर आज देवभूमि पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मां गंगा के मायके मुखवा जाकर उनकी पूजा अर्चना की और हर्षिल में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार को शीतकालीन चारधाम यात्रा के प्रयोजन की सफलता के कई मंत्र दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वह जब पहली बार उत्तर प्रदेश बनारस से चुनाव लड़ने के लिए आए थे तब उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने उन्हें बुलाया है। आज 11 साल बाद मां गंगा के मायके आकर उनके दर्शन और पूजा करने के बाद उन्हें एहसास हो रहा है कि मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है। उन्होंने कहा कि मैने केदार बाबा के दर्शन करने के बाद कहा था कि यह दशक उत्तराखंड के विकास का दशक होगा। वह शब्द जरूर मेरे थे लेकिन आज उत्तराखंड जिस तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है उससे यह विश्वास हो चुका है कि उन शब्दों को सामर्थ्य केदार बाबा से ही प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के रास्ते तेजी से खुलते जा रहे हैं। शीतकालीन यात्रा की शुरुआत करने का श्रेय मुख्यमंत्री धामी को देते हुए उन्होंने कहा कि शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ अब इस दिशा में एक और बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड का विकास बिना बारहमासी चारधाम यात्रा के संभव नहीं है। मार्च-अप्रैल-मई और जून तक चलने वाली चारधाम यात्रा सीजन से संभव नहीं है। यूं तो प्रधानमंत्री अपने तमाम संबोधनों में उत्तराखंड के विकास का मंत्र सरकारों को देते आए हैं। बीते समय में उन्होंने सरकार को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उत्तराखंड को विकसित करने का सुझाव दिया था। इस बार भी प्रधानमंत्री ने सरकार को 'घाम तापो पर्यटन, विकसित करने का सुझाव दिया है। मोदी ने कहा कि जब पूरे देश में शीतकाल में कोहरा छाया रहता है तब उत्तराखंड का सौंदर्य किस कदर मनमोहक और दर्शनीय होता है उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पहाड़ों पर बिछी सफेद बर्फ की चादर और दिन भर चटक धूप (घाम) तापने का सुखद आनंद पहाड़ों में मिलता है वह अन्य कहीं भी संभव नहीं है। पहाड़ों में सर्दियों का मौसम आध्यात्मिक और योग ही नहीं बल्कि धार्मिक टूरिज्म और पर्यटन के लिए भी सबसे अधिक मुफीद होता है।

प्रधानमंत्री ने सरकार को शीतकालीन टूरिज्म को बढ़ाने के कई मंत्र दिए। उन्होंने होमस्टे और होटल तथा राज्य के परंपरागत नृत्य और म्यूजिक को भी टूरिज्म से जोड़ने की सलाह दी और वाइल्डलाइफ को भी इसका हिस्सा बनाने को कहा। मोदी ने राज्य में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने का सुझाव देते हुए कॉर्पोरेट घरानों को शीतकाल में सेमिनार आदि के आयोजन उत्तराखंड में कराने का आग्रह भी किया। योग व आयुर्वेद के वैलनेस सेंटर खोलने को भी उन्होंने जरूरी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बारहमासी पर्यटन से राज्य में रोजगार के नए अवसर प्रदान होंगे तथा लोगों की आर्थिक स्थिति में इससे बड़ा सुधार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार जो

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़ी सौगात

किसी राज्य के लिए बड़ी-बड़ी विकास परियोजनाओं की घोषणा करना अलग बात है और उन परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाना अलग बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते समय में दो बड़ी परियोजनाओं की घोषणा की गई थी पहली परियोजना थी सोनप्रयाग से केदारनाथ तक रोपवे और दूसरी थी गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे बनाये जाने की। इन दोनों परियोजनाओं की एक साथ घोषणा जब की गई थी तो कुछ लोगों को यह अविश्वसनीय प्रतीत हो रहा था लेकिन आज होने वाले प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड दौरे से एक दिन पूर्व (सीसीईए) आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा इन योजनाओं के लिए मंजूरी दे दिए जाने से यह तय हो गया है कि जल्द ही यह परियोजनाएं धरातल पर उतारी जा सकेगी। दरअसल इस योजनाओं पर अनुमानित 6811 करोड रुपए खर्च आने की संभावना है लेकिन 5 से 6 साल की अवधि में जब यह दोनों परियोजनाएं पूरी हो जाएगी तो यह उत्तराखंड के पर्यटन और तीर्थाटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी इसमें कोई सशंय की गुंजाइश नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में राज्य के भाजपा नेता अगर यह कहते हैं कि उनका देवभूमि के प्रति विशेष लगाव है या फिर प्रधानमंत्री जब भी यहां आते हैं तो कुछ न कुछ देकर जरूर जाते हैं कदाचित भी गलत नहीं है। उत्तराखंड में ऑल वेदर चारधाम सड़क परियोजना से लेकर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन तक तमाम ऐसे बड़े काम है जिनके कारण राज्य में कनेक्टिविटी का एक मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहा है। राज्य में अब मेडिकल कॉलेज से लेकर एम्स तक खुले जाने से स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी प्रगति हुई है। वर्तमान समय में केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए बनने वाले इन बड़े-बड़े रोपवे का महत्व सिर्फ इन धार्मिक स्थलों तक पहुंचने को आसान बनाएगा, तक ही सीमित नहीं है। 12 से 13 किलोमीटर लंबे यह रोपवे देश ही नहीं दुनिया भर के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाले हैं। जब सड़क और हवाई मार्ग से भी आवागमन असंभव हो जाता है, उस मौसम में इन रोपवें की यात्रा के जरिए उत्तराखंड के प्राकृतिक सौंदर्य के दर्शन किया जाना संभव हो सकेगा जो अपने आप में एक नया अनुभव और एहसास कराएगा। ऑल वेदर रोड के बाद अगर उत्तराखंड के पर्यटन और धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई तक ले जाया जा सकेगा तो इसमें इन रोपवे की भूमिका अत्यंत ही महत्वपूर्ण होगी इसके साथ ही अब केदारनाथ धाम व हेमकुंड साहिब तक पहुंचना उन लोगों के लिए भी संभव हो सकेगा जो दुर्गम बर्फीले रास्तों को तय करने में असमर्थ थे। घोड़ा-खच्चरों व डोली कंडी पर भी निर्भरता कम होगी तथा हेलीकाप्टर सेवाएं जिन्हें लेकर तमाम सवाल उठते थे उनके उपयोग में भी कमी आएगी लोगों का समय व पैसा दोनों की बचत होगी। बस अब यही सवाल है कि कार्यदाई निर्माण एजेंसी द्वारा इन दोनों ही परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा कर दिया जाए जिससे जल्द इसका फायदा मिलना शुरू हो सके। दरअसल विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस राज्य के लिए इन रोपवे का निर्माण एक बड़ा प्रयोग है। यह प्रयोग अगर शत-प्रतिशत कामयाब रहता है तो इसकी बड़ा फायदा उत्तराखंड को होगा और राज्य के विकास में यह परियोजनाएं अत्यंत ही महत्वपूर्ण साबित होगी।

'भाषा और सामाजिक संरचना की गतिकी' विषय पर बौद्धिक सत्र आयोजित

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,रुद्रपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पत्थरचट्टा, रुद्रपुर में संचालित हो रहा है।

शिविर के पाँचवें दिन शिविरार्थियों के दिन की शुरुआत लक्ष्य गीत,संकल्प गीत और राष्ट्रगान के पश्चात योग क्रियाओं के साथ हुई । सुबह के नाश्ते के पश्चात शिविरार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अलंकृता सिंह तथा डॉ.शिल्पी अग्रवाल के नेतृत्व में सैनिक पुनर्वास क्षेत्र एवं एच.आर. सी. कॉलोनी में नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली । इस रैली में वार्ड संख्या 40 के पूर्व पार्षद श्री राजेश कुमार ने भी प्रतिभाग किया ।

इसके पश्चात अपराह्न में 'भाषा और सामाजिक संरचना की गतिकी' विषय पर बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ । इस बौद्धिक सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित राजकीय महाविद्यालय, पाटी, चम्पावत के प्राचार्य प्रो.राकेश कुमार पाण्डेय ने बोलते हुए कहा कि भाषा समाज की वास्तविकताओं को नया आकार ही नहीं देती, बल्कि उसे छुपाने और उघाड़ने का माध्यम भी बनती है। आपने भारतीय समाज के वर्गीय चरित्र को समझने में भाषा की भूमिका को रेखांकित किया ।

बौद्धिक सत्र की अगली वक्ता राजकीय महिलाविद्यालय, हल्द्वानी की अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विभा पाण्डेय ने विषय पर बोलते हुए भाषा के लैंगिक पूर्वाग्रहों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

इस बौद्धिक सत्र के कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा दिया और मानसी पाण्डेय ने किया । कार्यक्रम में महाविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ.हेमलता सैनी, प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार सैनी एवं शिविर के स्वयंसेवी मौजूद रहे ।

बौद्धिक सत्र में भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर विकास दुबे और हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर रूमा शाह ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।

चोरी की बाइक सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का मात्र कुछ घंटो में ही खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोटामुराद नगर कलियर निवासी अक्षय कुमार ने कोतवाली रूडकी पर तहरीर देकर बताया गया कि किसी अज्ञात चोर ने ढण्डेरा रूडकी से उसकी बाइक चुरा ली है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

चुराए गए वाहन को बरामद करने के लिए गठित की गई पुलिस टीम ने एक सूचना के बाद बीती शाम को राव मौहम्मद हसीन व राव इशरार नामक दो संदिग्ध युवकों को सोलानी पार्क से कलियर जाने वाली बीच वाली नहर पटरी से पकड़कर उक्त चोरी दोपहिया वाहन बरामद किया गया। पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जमीन के नाम पर ठगे नौ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर नौ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भोगपुर निवासी जितेन्द्र सिंह ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी सम्पत्ति स्थित मौजा रानीपोखरी का सौदा रमेश रावत पुत्र सरोप सिह रावत निवासी टीस्टेट बंजारावाला, के साथ दस लाख रुपये में तय किया था।

रमेश रावत को भूमि पसंद आने पर उसको एक लाख रुपयेका चैक एडवान्स दे दिया,जो बैंक में कैश हो गया था तथा रजिस्ट्री पर उसने उसको नौ लाख रुपये का दूसरा चैक दिया जो कि पंजाब नेशनल बैंक शाखा घनसाली जिला टिहरी गढवाल का चौक दिया था। उसके द्वारा चैक प्राप्त करने के उपरान्त रमेश रावत के नाम अपनी भूमि की रजिस्ट्री करा दी गई जो कि सब-रजिस्ट्रार कार्यालय ऋषिकेश में दर्ज है। उसके द्वारा उपरोक्त चैक को अपने बैंक खाते पंजाब नेशनल बैंक शाखा भोगपुर में प्रस्तुत किया गया , जोकि बाउन्स हो गया,उसके बाद उसके द्वारा उक्त चैक को दूसरी बार उसने अपने बैंक खाते में जमा किया जोकि बाउन्स हो गया।

तीसरी बार उसके द्वारा उक्त चैक को अपने बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा भोगपुर के खाते में जमा किया जोकि बाउन्स हो गया चौथी बार उसके द्वारा उक्त चैक को अपने बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा भोगपुर के खाते में जमा किया जोकि बाउन्स हो गया। रमेश रावत द्वारा उससे जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद उसको नौ लाख रुपये का भुगतान नही किया गया तथा रमेश रावत द्वारा उसके साथ ध ोखाधडी की गई है तथा जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्लेट में एडमिशन के नाम पर ठगे 14 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। क्लेट मे एंडमिशन के नाम पर 14 लाख रूपये की ठगी करने वाले दम्पत्ति के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिंगली निवासी प्रिया बाजपेयी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सिगली, देहरादून की स्थाई निवासी है तथा प्राईवेट जॉब करती है। उसके घर से कुछ दूरी पर रजनीकांत शर्मा उर्फ आर. के. शर्मा एवं रीतू शर्मा अपने परिवार के साथ निवास करते थे तथा मोक्षा रिसोर्ट के नाम से होम स्टे चलाते थे जो कि उन्होंने किराये पर ले रखा था। उक्त रजनीकांत शर्मा स्वयं को डॉक्टर बताते थे तथा उक्त स्थान पर पिछले 4-5 वर्ष से निवास कर रहे थे तथा आस पडोस के लोगों से अच्छा मेलजोल बना लिया था। वह अपनी पुत्री का क्लेट में एडमिशन करवाना चाहती थी। जिस बाबत उसने रजनीकांत शर्मा के सम्पर्क में आयी। रजनीकांत शर्मा ने जान पहचान का फायदा उठाते हुए तथा अपने ऊंची पहुंच का हवाला देते हुए उसको आश्वस्त किया कि वह उसकी पुत्री का क्लेट में एग्जाम पास करवाकर एडमिशन करवा देगा। जिसका लगभग समस्त खर्च 14 लाख रूपये बताया। उसके द्वारा रजनीकांत शर्मा व उसकी पत्नी व उसकी पुत्री के खाते में अपने खाते से 13 लाख 10 हजार रूपये जमा कराये तथा 90 हजार रूपये नकद दिये। उसने रजनीकांत को 14 लाख रूपये दे दिये। जिसके पश्चात् रजनीकांत शर्मा यह कहकर कि वह अपने परिवार के साथ कुछ दिनों के लिए कहीं जा रहा है तथा फरार हो गये। इसके पश्चात् उसके द्वारा कई बार रजनीकांत व उसकी पत्नी को फोन पर सम्पर्क किया गया परन्तु ना तो उसकी पुत्री का एडमिशन करवाया और ना ही उसका पैसा वापिस किया तथा फोन पर उससे रजनीकांत शर्मा व उसकी पत्नी द्वारा गाली गलौच की गयी जान से मारने की धमकी दी गयी। रजनीकांत की पत्नी रीतू शर्मा ने झूठे आरोपों में फंसाने की धमकी दी तथा यह भी कहा कि वह राजस्थान के रहने वाले हैं उनका कई बदमाशों से सम्पर्क है तुम्हें यहीं बैठे-बैठे मरवा देंगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आम, नींबू, तरबूज और पपीता बढ़ाते हैं खून में ऑक्सीजन

ऑक्सीजन हमारी जिंदगी का आधार है। शरीर के सभी अंगों को ठीक से काम करने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। शरीर में यह ऑक्सीजन खून के माध्यम से सभी अंगों तक पहुंचता है। इसलिए खून में अगर ऑक्सीजन की कमी होती है तो इससे शरीर के विभिन्न अंगों के विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने आहार में ऐसे फ्लों को शामिल करें जो खून में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाने का काम करते हैं।

आम, नींबू, तरबूज और पपीता ऐसे फ्ल हैं जो हमारी किडनी को साफरखने में मदद करते हैं।

विटामिन से भरपूर ये फ्ल हमारे खून में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाने में भी सहयक होते हैं। तरबूज में भारी मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इसके अलावा इसमें लाइकोपेन, बीटा केरोटिन और विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन शरीर में जल की मात्रा को भी संतुलित रखता है। अंकुरित अनाज फाइबर के भरपूर स्रोत होते हैं। ये रक्त में ऑक्सीजन बढ़ाने के बेहतर विकल्पों के तौर पर भी इस्तेमाल किए जाते हैं। इसके साथ ही साथ एवोकैडो. किशमिश, खजूर अदरक और गाजर भी शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए सबसे उपयुक्त उपचार हैं। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ऑर्गेनिक जिलैटिन में कैल्शियम और आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में फाइबर भी पाया जाता है। यह शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने का सबसे बेहतरीन उपाय होता है। शतावरी, जलकुम्भी और समुद्री शैवाल भी खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में काफी मददगार होता है।

इन खाद्यों का सेवन शरीर में रक्त के माध्यम से ऑक्सीजन की आपूर्ति निश्चित करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा ९० प्रतिशत से कम होने पर यह अंगों पर बुरा प्रभाव डालना शुरू कर देता है। इसकी पूर्ति के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन बेहद जरूरी है।

त्वचा की चमक बनाए रखने में कारगर विटामिन सी

आपकी सुंदरता में त्वचा का अहम योगदान होता है। त्वचा की चमक को बनाए रखने के लिए लोग तरह -तरह की क्रीम तथा फेशियल का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप को बता दें कि विटामिन सी त्वचा के लिए खास पोषक पदार्थ का काम करता है। यह त्वचा के लिए कई प्रकार से फायदेमंद होता है। विटामिन सी त्वचा का हानिकारक अवरक्त प्रकाश यानी अल्ट्रावॉयलेट किरणों से बचाता है। यही नहीं त्वचा के हल्के काले धब्बों को भी खत्म करता है। सौंदर्य विशेषज्ञों के मुताबिक, विटमिन सी कोलेजन के प्रॉडक्शन को बचाता है, जिससे त्वचा कड़ी रहती है। शाइनिंग देने में भी यह खूब काम आता है। खास बात यह कि यह त्वचा का सूखापन खत्म कर चमकदार बनाता है।

-विटामिन सी के स्त्रोत

- संतरे में मौजूद विटमिन सी काले धब्बों को खत्म करता है। संतरे के छिलकों को धूप में सूखा लें। सूखे हुए छिलकों को मिक्सर में पीसकर उसका पाउडर तैयार कर लें। पाउडर को दूध और क्रीम में मिलाएं। इसके बाद तैयार हुए पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। इसके अलावा, आप छिलकों के पाउडर का इस्तेमाल क्रबिंग के लिए भी कर सकती हैं।

- संतरे के छिलकों में प्राकृतिक ब्लीच की क्वॉलिटी होती हैं। इसके अलावा, सन टैन को भी इससे ठीक किया जा सकता है। उपयोग करने के लिए संतरे के छिलके से तैयार पेस्ट को अच्छी तरह से डाइल्यूट कर लें। चेहरे पर इसका इस्तेमाल एक फेस मास्क की तरह कर लें।

- त्वचा की बनावट और रंग में सुधार करने के लिए संतरा काफी फायदेमंद है। संतरे में कई अनॉक्सीकारक (ऍंटी-ऑक्सिडेंट्स) मौजूद होते हैं, जो स्किन को ऑक्सीजन लेने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इससे चेहरे पर झुर्रियां नहीं बनती।

-विटमिन सी कई तरह के फ्लों में पाया जाता है। ऑरेंज, ग्रेप फ्रूट्स और नींबू में इसकी क्वांटिटी काफी तादाद में होती है। एक मध्यम आकार के संतरे में 7० मिलीग्राम विटमिन सी होता है, जो कि विटमिन सी का अच्छा स्त्रोत है।

आप विटमिन सी उत्पाद से भी ले सकती हैं। यह आपको मिलेगा सीरम, क्रीम, लोशन और दूसरी कई चीजों में। आपको इन प्रॉडक्ट को कितना यूज करना है, यह आप एक बार त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

-आप विटामिन सी युक्त फेसियल थेरेपी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक हो सकती है।

लोहे की कड़ाही में भूलकर भी न पकाएं ये चीजें, सेहत के हो सकता है खतरनाक

यदि आपको स्वस्थ रहना है तो स्टेनलेस स्टील के बर्तन या मिट्टी के बर्तन और लोहे के बर्तनों में खाना पका कर खाएं, क्योंकि खाना पकाने के लिए आजकल लोग जो अलग-अलग तरह के बर्तनों जैसे एल्युमीनियम, स्टील, नॉन-स्टिक कुकवेयर आदि का उपयोग करते हैं, वह जानलेवा हो सकता है। बता दें, नॉन-स्टिक के बर्तनों में खाना पकाने से कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है।

आजकल लोग बीमारियों के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं। यही वजह है कि जो लोग स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं, वे मिट्टी और लोहे के बर्तनों का उपयोग तेजी से कर रहे हैं। लेकिन लोहे के बर्तनों का उपयोग करते समय कुछ सावधानियां बरतनी बेहद जरूरी हो गया है। विशेष रूप से, कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थों को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए। खबर में जानें कि वे कौन-कौन से फूड आइटम्स हैं।।।

विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ फूड आइटम्स को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए। जैसे कि एसिडिक फूड्स आइटम्स, पालक, चुकंदर और अंडे आदि। बता दें, लोहे की कड़ाही में नींबू, टमाटर या सिरका जैसे अम्लीय खाद्य पदार्थ पकाने से भोजन का स्वाद लोहे जैसा या खराब हो सकता है। लोहे की कड़ाही में पकी हरी सब्जियां भी जल्दी काली हो जाती हैं।

इन कारणों से कुछ फूड आइटम्स को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए

जब अण्डों को लोहे के बर्तन में पकाया जाता है तो वे बर्तन से चिपक जाते हैं। इसे न केवल साफ करना कठिन है, बल्कि इससे खाना भी मुश्किल हो सकता है। इसलिए अण्डों को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए।

टमाटर स्वाभाविक रूप से अत्यधिक अम्लीय होते हैं। यदि टमाटर को लोहे के बर्तनों में बहुत अधिक पकाया जाए तो यह लोहे के साथ प्रतिक्रिया कर सकता है और भोजन का स्वाद बदल सकता है। इसके अलावा, कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। विशेष रूप से, शरीर में लौह का उच्च स्तर जमा हो सकता है और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है।

पनीर, दही और अन्य डेयरी उत्पादों को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए। जब इन्हें लोहे के साथ मिलाया जाता है तो स्वाद पूरी तरह बदल जाता है। इसके अलावा, जब डेयरी उत्पादों को लोहे के बर्तनों में पकाया जाता है, तो उनका रंग खराब हो जाता है और वे देखने में भी अच्छे नहीं लगते।

चूकि मछली बहुत नरम होती है, इसलिए लोहे के बर्तन में पकाने पर वह टूट सकती है। इसके अलावा, जब लोहे के बर्तनों को गर्म किया जाता है, तो मछली के प्रोटीन में परिवर्तन आ सकता है, जिससे उनका स्वाद और बनावट बदल जाती है।

लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय इन बातों का ध्यान रखें

लोहे की कड़ाही में पका हुआ खाना तुरंत दूसरे कांच या इनेमल के बर्तन में डालें। लोहे के बर्तनों को धोने के लिए माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। लोहे के बर्तनों को धोने के तुरंत बाद कपड़े से पोंछ लें। लोहे के बर्तनों को स्टोर करने से पहले उन पर सरसों के तेल की एक पतली परत लगाएं।

लोहे के बर्तनों का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ये आयरन की कमी वाले लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प हैं। लोहे के बर्तनों में पका भोजन शरीर को आवश्यक लौह प्रदान करता है तथा हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने की क्षमता रखता है। हालांकि, सभी प्रकार के भोजन को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए। इस बात का खतरा रहता है कि कुछ तत्व आयरन के साथ प्रतिक्रिया करके भोजन के स्वाद और पोषक तत्वों को बदल सकते हैं।

कई मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का विकल्प बन सकता है फेस ऑयल

फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है। हालांकि, फेस ऑयल का इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो इसका इस्तेमाल कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर कर सकते हैं। आइए आज फेस ऑयल से जुड़े कुछ बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

बतौर क्यूटिकल ऑयल करें इस्तेमाल

नाखूनों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए जितना जरूरी उनकी नियमित सफाई करना है, उतना ही महत्वपूर्ण उन पर क्यूटिकल ऑयल लगाना है। आप चाहें तो फेस ऑयल का इस्तेमाल बतौर क्यूटिकल ऑयल भी कर सकते हैं। बता दें कि क्यूटिकल ऑयल को नाखूनों से चिपकी हुई खाल पर लगाकर मालिश करनी होती है। इससे नाखून के आसपास की खाल नहीं निकलती और ये मजबूत भी बने रहते हैं।

प्राइमर की तरह लगाएं

प्राइमर एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल मेकअप बेस तैयार करने के लिए किया जाता है। अगर कभी आपका प्राइमर खत्म हो जाता है या फिर यह आपको पास नहीं है तो आप फेस ऑयल को प्राइमर के रूप में भी लगा सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मेकअप बेस के लिए फेस ऑयल की कुछ ही बूंदें चेहरे पर लगानी हैं ताकि इसके कारण चेहरा तैलीय न लगे।

मेकअप साफ करने के आए काम

अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो उसके विकल्प के तौर पर भी फेस ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कॉटन पैड पर थोड़ा सा फेस ऑयल लें, फिर उससे मेकअप को हल्के हाथों से पोंछ सें। इससे आपका सारा मेकअप आसानी से हट जाएगा। फेस ऑयल न सिर्फ त्वचा की कोमलता से सफाई कर सकती है बल्कि त्वचा को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने में भी कारगर है।

रूखी त्वचा को मॉइश्चराइज करने में है मददगार

अगर कभी अचानक से आपका मॉइश्चराइजर खत्म हो जाता है तो आप अपनी त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए फेस ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात तो है कि यह प्रोटीन और फैट आदि पोषक गुणों से समृद्ध होता है, जो त्वचा को ऐसे जरूरी पोषण देते हैं वो महंगे मॉइश्चराइज भी नहीं दे पाते। इसलिए आप इसका इस्तेमाल रूखी त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए कर सकते हैं।

माँ गंगा का
शीतकालीन प्रवास
गंगा मंदिर
मुखीमठ, मुखवा (उत्तरकाशी)
माँ यमुना का
शीतकालीन प्रवास
यमुना मंदिर
खरसाली (उत्तरकाशी)
श्री केदारनाथ जी का
शीतकालीन प्रवास
ओंकारेश्वर मन्दिर
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)
श्री बदरीनाथ जी का
शीतकालीन प्रवास
योगध्यान बद्री मन्दिर
पांडुकेश्वर (चमोली)
मुखीमठ, मुखवा माँ गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थान है।
शीतकाल के दौरान गंगोत्री मन्दिर के कपाट बंद होने पर
माँ गंगा की मूर्ति को गंगोत्री से मुखवा लाया जाता है और
शीतकाल के दौरान इसी मन्दिर में माँ गंगा की पूजा की जाती है।
उत्तराखण्ड शासन
देवभूमि रजत उत्सव
देवभूमि
उत्तराखण्ड में
शीतकालीन
तीर्थाटन एवं
पर्यटन
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

माँ गंगा के शीतकालीन प्रवास

गंगा मंदिर

मुखवा, हर्षिल, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड

आगमन पर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

बृहस्पतिवार, दिनांक 06 मार्च, 2025 | प्रातः 09.00 बजे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा

माँ गंगा मन्दिर में दर्शन एवं पूजा।

उत्तराखण्ड शीतकालीन पर्यटन प्रदर्शनी का अवलोकन।

रैलियों और पदयात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवानगी।

हर्षिल में सार्वजनिक समारोह।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर

उत्तराखण्डः एक अद्वितीय, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य

- उत्तराखण्ड के पर्वत, कलकल बहती नदियां और मन को शान्ति पहुंचाने वाले मंदिरों से तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को मिलता है प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक शान्ति का अहसास।
- सर्दियों के महीने में शांत पहाड़ों के बीच ध्यान, योग और आत्म-चिंतन की अनुभूति से जीवन को मिलता है नया अनुभव।
- औली, नैनीताल और मसूरी जैसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन में स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नो ट्रैकिंग की सुविधा पर्यटकों के लिए रोमांचकारी।
- राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य के लिए विश्व प्रसिद्ध है देवभूमि उत्तराखण्ड।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

दून वैली मेल देहरादून, 06 मार्च 2025 www.dunvalleymail.com

जान लेवा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कवायद कब होगी

सुमनलता गुप्ता

सडक़ दुर्घटनाओं में जिस तरह से वृद्धि हुई है वह बेहद चिंताजनक है। देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 25० है, जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। ऐसा लगता है अब भारत की सडक़ों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर पानीपत के निकट रॉन्ग साइड से आए एक ट्रक ने पांच लोगों की जान ले ली। बताया जाता है कि ड्राइवर नशे में था। रास्ते में जो आया उसे कुचलता चला गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। वे लोग जो अपने परिवारों के भरण-पोषण के संघर्ष में जुटे रहते हैं। जिनके लिये यह जीवनभर का दुख बन जाता है। वहीं कई घायल जीवनभर के लिये विकलांगता झेलने को अभिशप्त हो जाते हैं।

बहरहाल,केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सडक़ हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। यह आंकड़ा भयावह है। दरअसल, वर्ष 2०14 से 2०23 के बीच सडक़ हादसों में 15।3 लाख लोग मारे गए। बताते हैं कि सडक़ हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। सवाल उठाया जा सकता है कि आखिर भारत की सडक़ों पर चलना जान हथेली पर लेकर चलने जैसा क्यों होता जा रहा है? आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सडक़ हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? निश्चित रूप से भारत में सडक़ दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सडक़ निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2०12 में करीब 16 करोड़ गाडियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सडक़ें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2०12 में देश में भारतीय सडक़ों की लंबाई 48।6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2०19 में यह 63।3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सडक़ सुरक्षा के तमाम उपायों के बावजूद देश में सडक़ हादसों में मरने वालों की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है। हालांकि परिवहन विशेषज्ञ इसके कई कारण बताते हैं। इसकी वजह तेज रफ्तार में वाहन चलाना , नाबालिगों द्वारा बिना लाइसेंस के वाहन चलाना, निजी वाहन चालकों से ज्यादा ड्यूटी करवाना, कई बार कंस्ट्रक्शन की गड़बड़ी की वजह से भी दुर्घटनाएं होती हैं क्योंकि मोड इत्यादि अव्यावहारिक ढंग से बना दिए जाते हैं। जैसे इंदौर से आगरा मुंबई मार्ग पर गणपति घाट का निर्माण इस तरह किया गया कि वहां दुर्घटनाओं का बड़ा स्पॉट बन गया। विशेषज्ञों ने निरीक्षण कर बताया कि गणपति घाट का निर्माण गलत डिजाइन से हो गया है। नतीजे में वाहन दुर्घटनाओं की बाढ़ आ गई,जब समस्या बढ़ गई तो डिजाइन में संशोधन किया गया। अब वहां नए सिरे से घाट का निर्माण किया गया है। इसके अलावा आजकल दुर्घटनाओं का एक कारण यह भी है कि डिवाइडर के कारण यू टर्न लेने के लिए काफी चलना पड़ता है। ऐसे में वाहन चालक रॉन्ग साइड गाड़ी चलाकर अपनी साइड में आना चाहते हैं। जाहिर है परिवहन मंत्रालय को सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर जन जागरण अभियान चलाया जाना चाहिए जिससे लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें। कुल मिलाकर सडक़ दुर्घटनाओं पर रोक लगना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले में नयी याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने कहा नये अंतरिम आवेदन को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है, जब कोई नया बिन्दु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में न उठाया गया हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं, उन्होंने नये आधार उठाए हैं। पीठ ने स्पष्ट कहा कि पहले तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनी गई लंबित याचिकाओं पर दो न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई नहीं कर सकती।

शीर्ष अदालत ने दिसम्बर 2०24 के अपने आदेश में विभिन्न हिन्दू पक्षों द्वारा दायर लगभग अट्ठारह मुकदमों में कार्यवाही को प्रभावी तौर पर रोक दिया था, जिसमें वाराणसी की ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद व संभल की शाही जामा मस्जिद समेत दस मस्जिदों के मूल धार्मिक चरित्र का पता लगाने को सव्रेक्षण की माग की गई थी।

1991 में अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस के बाद देश में पूजास्थल कानून लागू किया गया था, जिसके तहत आजादी से पूर्व मौजूद किसी भी धर्म के पूजास्थल को दूसरे धर्म के पूजास्थल में नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने 1991 के इस अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी, उनका आरोप है यह अधिनियम हिन्दुओं के साथ ही जैनियों, बौद्धों, सिखों को अपने पूजास्थलों को पुनः प्राप्त के लिए अदालतों में जाने से रोकता है। जिन पर कट्टरपंथी बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा आक्रमण या अतिक्रमण किया गया था।

निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक जनहित याचिकाओं का अंबार है। इस पर जबरन विवाद उछालने, चर्चा में आने या राजनीतिक दलों द्वारा बहुसंख्यकों को प्रभावित करने के उद्देश्य से लगातार इन विवादास्पद धार्मिक स्थलों के खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं। इन पर आक्रामक बयानबाजियां की जाती हैं और उन्मादी धार्मिक भावनाएं भडक़ाने का प्रयास होता रहता है।

जनहित याचिकाओं की आड़ में न्यायालय का वक्त जाया करने और भारी धनराशि का अपव्यय करने वाली मानसिकता पर सख्ती जरूरी है। सांप्रदायिक सौहार्द व सद्भावना बनाये रखने के लिहाज से अदालतें संतुलित निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं। अदालतों द्वारा ही धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने व विवादों को बिला-वजह तूल देने की प्रवृत्ति को थामा जा सकता है। ताकि देश में शांति रहे व विश्व पटल पर छवि धवल बनी रह सके।

सू- दोकू क्र.091

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.090 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

हमारी सत्य सनातन संस्कृति बहुत समावेशी है

अशोक शर्मा

ऋग्वेद का एक वाक्य है 'एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' यानी सत्य एक है, लेकिन बुद्धिमान लोग उसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह वाक्य ऋग्वेद में आया है। इसका मतलब यह भी है कि एक ही चेतना सभी में है। जाहिर है हमारी सत्य सनातन संस्कृति बहुत समावेशी है और मानती है कि ईश्वर की आराधना अलग-अलग पद्धतियों या मजहबों के माध्यम से की जा सकती है लेकिन सबकी मंजिल यानी ईश्वर एक है। पिछले कुछ दिनों से संविधान की बहुत दुहाई दी जा रही है। हमारे संविधान का भी सार यही है जो ऋग्वेद ने बताया है यानी सत्य एक है जिसे किसी भी मार्ग से खोजा जा सकता है, यानी पंथ निरपेक्षता ! जाहिर है हमें एक नागरिक के रूप में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारी समावेशी संस्कृति को धक्का पहुंचे।

यही बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कहने की कोशिश की लेकिन उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया और इस पर सियासत शुरू हो गई। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि भाजपा और संघ परिवार के ही बहुत से लोग डॉ मोहन भागवत की इस बात से सहमत नहीं है ? उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि यह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है।

यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि संभल (उप्र) में 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। सवाल यह है कि इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है। अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी ?

बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 21० वर्ग मीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बहरहाल, यह सवाल तो सबके मन में उठना ही चाहिए कि हिंदुओं पर हुए सदियों पुराने अत्याचारों को अब सामने लाकर क्या हासिल होगा ? उन अत्याचारों के लिए मुगल आक्रांता दोषी थे। उनके अत्याचारों का बदला आज के भारतीय मुसलमान से किस तरह लिया जा सकता है ? जब ऐसा किया जाना संभव नहीं है और ना ही ऐसा होना चाहिए तो फिर क्यों हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग को तलाशा जा रहा है ? ऐसा करने से देश का भला कैसे होगा ? यदि इस मामले में हिंसा होती है तो नुकसान किसका होगा ? अगर भारत सुरक्षित नहीं है, यदि भारत तरक्की की राह में पिछड़ता है तो इसका नुकसान सबसे ज्यादा हिंदुओं को ही होगा क्योंकि वही इस देश में बहुसंख्यक हैं। जाहिर है यदि हिंदू हित की दृष्टि से भी सोचा जाए तो इस तरह की हरकतें बंद की जानी चाहिए। यही संदेश संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत कट्टरपंथी हिंदुओं को देना चाहते हैं। हिंदू उन्माद को बढ़ावा देकर आखिर क्या हासिल होगा ? जाहिर है मोहन भागवत वही कह रहे हैं जो हमारे वेदों का सार है या जो हमारी संस्कृति की सहिष्णुता का मर्म है। दरअसल,सभी विचारशील लोगों को इस पर विचार करना चाहिए कि क्या पुराने इतिहास के विद्रूप रूप को सामने लाने से हमारा भला होने वाला है ? यदि नहीं तो यह सब बंद होना चाहिए।

रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के साथ महापौर ने खेली फूलों की होली

संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के साथ महापौर श्रीमती किरण जैसल ने फूलों की होली खेली। आज यहां गंगा के घाटों पर बिंदी, चूड़ी, माला, गंगाजली प्रसाद बेचकर अपने परिवार की जीविका चलाने वाले रेडी पटरी के लघु व्यापारी एकता संगठन लघु व्यापार एसो. द्वारा संयुक्त रूप से दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग मार्ग पर फूलों की होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिद्वार नगर निगम की महापौर श्रीमती किरण जैसल सम्मलित हुई वही विशेष सम्मानित अतिथि प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष रजनीकांत शुक्ला, लघु व्यापारी एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी, पूर्व पार्षद वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया खेवड़िया, पार्षद मंजू रावत, एन.यू.जे आई पत्रकार संगठन के गढ़वाल प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी, संरक्षक पंडित चंद्र, प्रकाश शर्मा रहे। इस अवसर पर नगर निगम की महापौर श्रीमती किरण जैसल ने सभी लघु व्यापारियों को आश्वासित करते हुए कहा शीघ्र ही केंद्र और राज्य सरकार की रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए चलाई जारी योजनाओं का क्रियान्वयन युद्ध स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग मार्ग मेला कंट्रोल रूम गंगा के घाटों पर फूल, प्रसाद, बिंदी, चूड़ी, माला बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले सभी लघु व्यापारियों को योजना व तरीके से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना मेरी प्राथमिकता होगी। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के होली मिलन कार्यक्रम में सम्मलित हुए लघु व्यापारियों में अजय कुमार, अर्जुन त्रिवेदी, ब्रजकिशोर, रामवीर, मोहनलाल, प्रद्युम्न सिंह, ओमप्रकाश भाटिया, लालचंद, हर्ष कुमार, तस्लीम, नईम आजम, उमेश, श्रीमती सुमन गुप्ता, श्रीमती पूनम माखन, आशा देवी, पुष्पा दास, पार्वती, इंदिरा, सीमा, कामिनी मिश्रा, पूनम सिंह, पंडित कमल शर्मा, नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, शुभम, अर्जुन, सोनू, पवन करी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

डीएम, एसपी ने किया नशा मुक्त समाज बनाने को आमजनमानस को प्रेरित

संवाददाता

बागेश्वर। बाईक रैली निकालकर डीएम व एसपी ने नशा मुक्त समाज बनाने के लिए आम जनमानस को प्ररित किया।

आज यहां 'ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025' के दृष्टिगत 'नशा मुक्ति अभियान' के तहत बागेश्वर पुलिस द्वारा तहसील गेट बागेश्वर से नगर क्षेत्र में बाईक रैली का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता बाइक रैली को आशीष भटगई,

जिलाधिकारी बागेश्वर एवं चन्द्रशेखर घोडके, पुलिस अधीक्षक, बागेश्वर द्वारा हरी झंडी दिखाकर कर तहसील गेट से रवाना किया गया। जागरूकता रैली तहसील गेट बागेश्वर से शुरु होकर गोमती पुल, एसबीआई तिराहा से पीडब्लूडी तिराहे तक निकाली गयी। उक्त बाईक रैली में डीएम व एसपी ने स्वयं प्रतिभाग कर रैली के माध्यम से स्थानीय लोगों, युवाओं, वाहन चालकों, व्यापारियों व अन्य गणमान्य व्यक्तियों को नशा मुक्त अभियान/जागरुकता के बारे में जागरूक किया गया साथ ही सभी लोगों को मादक पदार्थो (शराब, चरस, स्मैक व अन्य)/ड्रग्स के सेवन से मानव शरीर तथा घर परिवार में पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने की अपील की गयी व नशे के कारण जीवन को तबाह होने से बचाने का सन्देश दिया गया।

लगता है मां गंगा ने मुझे गोद...

पृष्ठ 1 का शेष

कुछ कर रही हैं वह तो कर ही रही है और उसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है लेकिन इसमें जन सहभागिता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले राज्य में 18 लाख लोग चार धाम यात्रा पर आते थे और अब यह संख्या 50 लाख हो गई है। अगर हर मौसम और महीना चारधाम यात्रा सीजन का होगा तो राज्य के विकास की दिशा और दशा दोनों ही बदल जाएगी।

जनमानस की समस्या का समाधान प्रशासन की प्राथमिकताः डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कहा कि जनमानस की समस्या का समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल राजधानी देहरादून में जनमानस को सुगम सुविधा मुहैया कराने में हर स्तर के कार्यों को धरातल पर उतार रहे है और मुख्यमंत्री के संकल्प को सिद्वी तक ले जाने का काम कर रहे है। जिलाधिकारी के प्रयासों से जहां देहरादून के पौराणिक धरोहरों की तस्वीर संवरने लगी है वही सुगम और सुरक्षित सड़क सुविधा के लिए अभिनव पहल शुरू की गई है। शहर में नव निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यो के लिए जिलाधिकारी ने स्मार्ट सिटी बजट से 10 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया है। मानसून सीजन में शहर का एंट्री द्वार आईएसबीटी चौक अब जलमग्न नहीं होगा। सीएम की प्रेरणा से जिलाधिकारी के प्रयासों से आईएसबीटी में स्मार्ट सिटी से नया ड्रेनेज सिस्टम निर्माण का काम शुरू हो गया है और जल्द ही इसे पूरा किया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्मार्ट सिटी बजट में योजना के निर्माण के साथ ही इसके रखरखाव का प्रावधान भी किया है। आईएसबीटी में जलभराव की समस्या दूर होने से आम जनता एवं यात्रियों को अब परेशानी का सामना नहीं करना पडेगा। जिलाधिकारी की पहल पर राजधानी देहरादून को सुंदर और पौराणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों से संवारने के लिए अभिनव कार्य किए जा रहे है। इसमें देहरादून स्थित साई मंदिर जंक्शन, कुठालगेट और दिलाराम चौक का पहाड़ी शैली में सौन्दर्यीकरण का काम शुरू हो गया है। जिसके अंतर्गत राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं को दर्शाती हुई कलाओं के माध्यम से चौराहे सजाने का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही लोक परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर, और धार्मिक स्थलों की कलाकृतियों के साथ राज्य आंदोलनकारियों की स्मृतियों को भी चौराहों और मुख्य मार्गों पर प्रदर्शित कराया जा रहा है, ताकि देहरादून आने वाले पर्यटकों को यहां की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिल सके। देहरादून में सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यातायात के लिए भी जिलाधिकारी प्रतिबद्व है। देहरादून के 11 प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक लाइट लगाने के लिए टेंडर इत्यादि सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और अगले माह से ट्रैफिक लाइट लगवाने का काम भी शुरू किया जाएगा। वही जिलाधिकारी के प्रयासों से शहर में 05 वर्षों में प्रथम बार प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के 150 सीसीटीवी कैमरे भी इंटीग्रेट करवाए जा चुके है। जिससे सड़को पर सुरक्षित यातायात की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी सविन बंसल जनमानस की समस्या को अपनी पीड़ा समझ कर लगातार जनसेवा में जुटे है और सिर्फ दिखावा और कहते नहीं, बल्कि पूरे मनोयोग से जन समस्याओं का समाधान करते है। जिलाधिकारी के अथक प्रयासों से ही देहरादून में आज कई योजनाएं धरातल पर उतर रही है और समस्याओं का तत्परता और समय से समाधान होने से आम जनता को राहत मिल रही है।

पदोन्नति हुए कर्मियों को जोशी ने दी बधाई

टिहरी (सं)। पदोन्नति हुए कर्मियों को अपर पुलिस अधीक्षक जेआर जोशी ने बधाई दी। अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी

जेआर जोशी, ने टीकम सिंह चौहान को उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस से निरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर पदोन्नति होने पर स्टार लगाकर दी बधाई। साथ ही पुलिस लाइन में तैनात हेड कांटेबल अर्जुन सिंह भी पदोन्नति पाकर अपर उप निरीक्षक बने ,उनको भी अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा दो स्टार लगाकर आगामी भविष्य के लिए दी बधाई और शुभकामनाए। उक्त कार्मिकों को पुलिस लाइन चंबा में स्टार लगाकर अलंकृत किया गया।श्री टीकम सिंह चौहान वर्तमान में थाना छाम में बतौर उपनिरीक्षक तैनात रहे है जबकि अपर उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए अर्जुन सिंह पुलिस लाइन चंबा में तैनात है।

प्रमुख सचिव ने हरिद्वार कोरिडोर के सम्बन्ध में विभिन्न सगठनों से की चर्चा

संवाददाता

हरिद्वार। प्रमुख सचिव डॉ. आर.मीनाक्षी सुन्दरम ने डाम कोठी पहुॅचकर हरिद्वार कोरिडोर के सम्बन्ध में विभिन्न सगठनों से चर्चा की।

आज यहां प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने डाम कोठी पहुॅचकर हरिद्वार कोरिडोर के सम्बन्ध में विभिन्न सगठनों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरिडोर निर्माण के सम्बन्ध में फैली फ्रान्तियों को दूर करने के विभिन्न संगठनों से खुलकर बात करने के उद्देश्य से हरिद्वार पहुॅचे हैं ताकि व्यापारियों तथा अन्य व्यक्तियों में किसी भी प्रकार का संशय न रहे।

उन्होंने बताया कि कोरिडोर निर्माण में अपर रोड, बड़ा बाजार किसी भी स्थल को टच नहीं कर रहे हैं, केवल जाह्नवी मार्केट को ही टच किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जाह्नवी मार्केट के प्रभावित होने वाले दुकान लगाने वाले किरायेदार को भी वर्तमान रोडवेज बस स्टेण्ड पर कॉम्पलेक्स बनाकर मालिकाना हक सहित दुकान उपलब्ध कराने या नकद कैश का विकल्प दिया जायेगा, जिस सम्बन्ध में सम्बन्धित किरायेदारो को विस्तार से जानकारी दी तथा किरायेदारों द्वारा दिये गये सुझावों के आधार पर संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

उन्होंने श्री गंगा सभा के पदाधिकारियों को हरकी पौड़ी क्षेत्र के विकास एवं सौन्दर्यकरण हेतु प्रस्तावित गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री गंगा सभा द्वारा दिये गये सुझावो को डीपीआर में शामिल करने हेतु संभावनाएं तलाशते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने बताया कि सती कुण्ड के सौन्दर्यकरण हेतु 5 देवी की मूर्तियों के बीच शक्ति के रूप में श्वेत कमल को रखा जायेगा तथा तथा सभी शक्ति पीठों के छोटे-छोटे स्वरूप लगाये जायेंगे तथा स्थलों का सौन्दर्यकरण परम्परागत शैली में किया जायेगा।

इस दौरान अखाड़ा परिषद के प्रतिनिधि महन्त ललितानन्द गिरी महाराज, महामंत्री श्री गंगा सभा तन्मय वशिष्ट, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, नगर आयुक्त वरूण चौधरी, एचआरडीए उपाध्यक्ष अंशुल सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी अजयवीर सिंह सहित डॉ.नरेश चौधरी के अवाला विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

हर्षिल और मुखवा में मोदी-मोदी की गूंज

वशेष संवाददाता

हर्षिल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हालांकि अपने अलग अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं लेकिन आज उत्तराखंड के दौरे के समय वह अत्यधिक भाव विभोर दिखे। प्रधानमंत्री ने यहां स्थानीय भाषा शैली में लोगों का स्वागत किया वहीं वह यह कहना भी नहीं भूले कि हर्षिल की इस धरती से जब दीदी और भुल्लियों द्वारा उन्हें राजमा और अन्य पहाड़ी उत्पाद भेजे जाते हैं तो मुझे भी यहां आकर लगता है कि मैं अपने परिवार के बीच आया हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत गंगा मैया के जयकारों से क, वही वह जब मंच पर पहुंचे तो लोगों ने मोदी-मोदी की गूंज से पूरे वातावरण को ही गूंजायमान कर दिया। प्रधानमंत्री ने आज यहां एक ट्रैकर्स रैली व वाहन रैली को भी हरी झंडी दिखाई प्रधानमंत्री ने पहाड़ी निवास पहने और ब्रह्मकमल की टोपी भी पहनी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 1962 के चीन युद्ध के दौरान दो सीमावर्ती गांवों को खाली कराया गया उन्हें सबने भुला दिया था लेकिन उन्होंने मलिंगा लाल और जनक ताल को फिर आबाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने परंपरा को बदला है। अब सीमांत गांव अंतिम नहीं प्रथम गांव होते हैं तथा हमने उनके विकास के लिए वाइब्रेट योजना शुरू की है जिसमें इस क्षेत्र के 8-10 गांव आते हैं। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर सांसद तथा राज्य मंत्री भी उपस्थित रहे।

कर्नाटक में लोकायुक्त ने 8 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर की छापेमारी

बेंगलुरु । लोकायुक्त के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में आठ सरकारी अधिकारियों से संबंधित परिसरों पर छापे मारे, जिन पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई उनमें बेंगलुरु में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में श्ग्रुप एश् के तहत मुख्य अभियंता टी. डी. नंजुंदप्पा, बृहद बेंगलुरु महानगर पालिका में गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन, राजमार्ग इंजीनियरिंग ग्रेड-1 के कार्यकारी अभियंता एच. बी. कलेशप्पा, कोलार में सहायक कार्यकारी अभियंता जी. नागराज, कलबुर्गी में परियोजना कार्यान्वयन इकाई के जगन्नाथ, दावणगेरे में स्वास्थ्य विभाग में खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता इकाई के जिला सांख्यिकी अधिकारी जी. एस. नागराजू शामिल हैं। जिन अन्य अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई उनमें उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तवरकेरे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तुमकुरु के डॉ. पी. जगदीश; पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग, बागलकोट में प्रथम श्रेणी सहायक (एफडीए) मलप्पा सबन्ना दुर्गादा और एफडीए, हाउसिंग बोर्ड, विजयपुरा में शिवानंद शिव शंकर केंभवी शामिल हैं।

दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न। दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 86 वर्ष के थे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया। टिली ने निधन का कारण नहीं बताया। टिली ने कहा, उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है। ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था। इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे। उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते।

मोदी के रूप में देवदूत: धामी

❑सीएम ने केंद्र सरकार के सहयोग का आभार जताया

विशेष संवाददाता

देहरादून/हर्षिल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह जब उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के जौली ग्रांट हवाई अड्डे पहुंचे तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। हर कदम साथ रहे मुख्यमंत्री धामी ने यहां हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए जब अपना संबोधन समाप्त किया तो उन्होंने शायराना अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहा कि पीएम मोदी के रूप में हमने देवदूत को पाया है।

सभा को संबोधित करते हुए अत्यंत ही भावुक अंदाज में दिखे सीएम धामी ने कहा कि पीएम मोदी के कदम जब-जब इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में पड़े हैं तब तब उनका आगमन राज्य के लिए कल्याणकारी और लाभदायक सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व और दिशा निर्देशन में भारत एक बार फिर विश्व गुरु और आत्मनिर्भर विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से भी अभिनंदन करता हूं।

धामी ने कहा कि उनका असीम स्नेह तथा प्यार हमें मिलता रहा है उन्होंने कहा कि मौका चाहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हो या फिर राष्ट्रीय खेलों के आयोजन का, उनके आगमन से उत्तराखंड को हमेशा एक नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि आपदाओं के समय भी हमें उनका भरपूर सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने केदारनाथ आपदा से लेकर सिल्क्यारा सुरंग हादसे और अभी माणा में हुए हिमस्खलन की घटना को याद करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा ही हर संभव हमारी मदद की है। उन्होंने कहा कि शीतकालीन यात्रा के विकल्प रहित संकल्प को पूरा करने में हमारी मदद के लिए वही आज फिर हमारे बीच है। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने अपेक्षा जाहिर की है कि अभी हमें निकट भविष्य में मां नंदा देवी राजजात यात्रा और 2027 में कुंभ का आयोजन करना है हमें उम्मीद है कि उनके आशीर्वाद से हम इन सभी कामों को सफलतापूर्वक कर सकेंगे। अंत में उन्होंने एक कविता पढ़कर उन्हें पीएम मोदी के रूप में एक देवदूत मिलने की बात कही तो लोगों ने खूब तालियां बजाईं।

नाबालिग को भगा ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नाबालिग को भगा ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने बिजनौर से गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से नाबालिग बरामद की गयी है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते दो मार्च को धुमाकोट निवासी एक व्यक्ति ने थाना धुमाकोट पर तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी नाबालिग बहन घर में बिना बताये अचानक कहीं चली गयी है। जिसके आधार पर थाना धुमाकोट में गुमशुदगी दर्ज की गयी। पुलिस अधिकारियो द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा तत्काल गुमशुदा नाबालिग युवती के फोटोग्राफ के आधार पर,आस-पास के लोगों से जुटायी जानकारी एवं भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साधनों का प्रयोग करते हुए ठोस सुरागरसी-पतारसी की गयी जिसके फलस्वरूप नाबालिग युवती को 4 मार्च को दीपराज के कब्जे से देहलावाला ग्रामीण बाजार थाना रेहड़ जनपद बिजनौर उ.प्र. से बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी दीपराज को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री का मिला साथ, दौड़ेगी यात्रा, बनेगी बात

कार्यालय संवाददाता

हर्षिल। मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा और खूबसूरत हर्षिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक-एक संदेश के गहरे मायने हैं। देश-दुनिया तक इन शब्दों की अनुगूंज पहुंचना तय है। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा को प्रधानमंत्री का जैसा साथ मिला, वह खास है। उन्होंने जिस अंदाज में उत्तराखंड की यात्रा का प्रमोशन किया है, वह अभूतपूर्व है। इसके बाद, उत्तराखंड के शीतकालीन पर्यटन के सरपट दौड़ने की पूरी उम्मीद की जा रही है।

प्रधानमंत्री का यह प्रवास उस वक्त हुआ है, जबकि करीब दो महीने की शीतकालीन यात्रा शेष है। इसके बाद 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा का श्रीगणेश होना है। ऐसे में प्रधानमंत्री के एक प्रवास ने उत्तराखंड की दोनों यात्राओं के लिए बेहतर आधार तैयार कर दिया है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड का हर तरह से प्रमोशन किया। प्रमोशन के लिए घाम तापो पर्यटन की बात हो, धर्माचार्यों और योगाचार्यों से शीतकाल में योग शिविर आयोजित करने की बात हो, कॉरपोरेट को सेमिनार का सुझाव हो, फिल्म निर्माताओं को फिल्मों की शूटिंग के लिए आह्वान हो या फिर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपील हो, सबने अपना अलग प्रभाव छोड़ा है।

उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शीतकालीन यात्रा का सबसे बड़ा प्रमोशन कर दिया है। इस यात्रा के प्रमोशन के लिए इससे पहले कभी इतने गंभीर प्रयास नहीं हुए। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा के साथ प्रधानमंत्री के जुड़ाव के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जो प्रयास किए थे, उसका सार्थक परिणाम सामने आया है। बहुत कम समय में उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा और पर्यटन देश-दुनिया की नजरों में आ गए हैं।

प्रधानमंत्री एक बार फिर उत्तराखंड के लिए सबसे बडे ब्रांड एंबेसडर साबित हुए हैं। केदारनाथ धाम का उदाहरण सामने हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रियता से श्रद्धालुओं के पहुंचने के नए रिकार्ड बने हैं। शीतकालीन यात्रा का हिस्सा बनने की इच्छा प्रधानमंत्री ने 28 जनवरी को राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ के मौके पर ही जाहिर कर दी थी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।